>

Title: Need to include Dhanak caste of Madhya Pradesh in the list of Scheduled Tribe.

श्री उदय प्रताप सिंह (होशंगाबाद): मध्य प्रदेश में रहने वाली धानक/धानुका जाति का इतिहास पूर्णतया आदिवासी संस्कृति से जुड़ा रहा है। प्राचीन काल से ही यह जाति नर्मदा नदी और वहां के सुदूर जंगलों में रहती आई है। आरंभ से ही यह जाति भूमिहीन खेतिहर रही है इसलिए इनका मुख्यता जीवन निर्वाह नदी क्षेत्र के मछली पालन और जंगलों पर निर्भर रहा है।

इस जाति के लोगों में शिक्षा ना के बराबर ही रही है, जिससे शिक्षा के अभाव में यह लोग देश और समाज की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पाए। इसी कारणवश यह लोग आगे नहीं बढ़ पाए। अतः सरकार से अनुरोध है कि इस जाति को प्रोत्साहित करने के लिए इनको अनुसूचित जनजाति की सूची में डाला जाए और इनकी प्रतिभा का सही दिशा में सदुपयोग किया जा सके, साथ ही इस जाति से जुड़ी प्राचीन संस्कृति और लोक कला को संरक्षण देना भी जरूरी है।

आशा है भारत की सरकार धानक जाति के हित में ठोस निर्णय लेगी।